MR. SPEAKER : The question hour is over.

I would request the hon. Members that they should be brief, direct and precise when they ask questions. If they do not add interruptions, preambles and all that, we can cover more questions. In future, I am not going to tolerate it. If the Member insists on introductions, preambles and all that, I will not allow it. We are running short of so many questions everyday. The Members whose questions are at the end very much wish that their questions come up in time. We will try to make progress in future.

SHRI PILOO MODY : We do not want so many questions.

MR. SPEAKER : Yes. I think, if it continues like that, we will come to that.

---

## WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

### Revised cost estimates of Bokaro Steel Plant

*548. SHRI FATEHSINGH RAO GAEKWAD :

MAHARAJA MARTAND SINGH :

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether the revised cost estimates of the Bokaro Steel Plant show a staggering increase over original estimates ; and

(b) if so, the reasons therefor and the extent to which the inflated cost is attributable to dependence on foreign consultants ?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI S. MOHAN KUMARAMANGALAM) : (a) According to the revised estimates prepared by the Bokaro Management, the increase is of the order of about Rs. 88 crores over the original estimates of Rs. 670 crores for the 1st stage of the Bokaro Steel Project.

(b) The main reasons for increase are the higher cost of indigenous equipment about Rs. 60 crores, increase in the price of steel about Rs. 11 crores and escalation in wages about Rs. 9.5 crores. No. part of this increase is attributable to the foreign consultants.

### Break-through in Rice Production

*550. SHRI N. SHIVAPPA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government are contemplating measures for a major breakthrough in rice production in the ensuing year ; and

(b) if so, the salient features thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE) : (a) Yes, Sir.

(b) Besides bringing larger areas under high-yielding varieties and multiple cropping, the other steps taken to increase the production of rice include (i) intensive development of irrigation, particularly groundwater resources ; (ii) adequate and timely supply of inputs like seeds, fertilisers and credit ; (iii) emphasis on adequate and balanced use of fertilisers and better water management ; (iv) surveillance of pests and diseases and well organised plant protection measures ; (v) effective and purposeful demonstrations on farmers' fields ; and (vi) farmers' training alongwith National Demonstration Programme. In addition, further efforts are being made to evolve high-yielding varieties of rice suitable for different agro-climatic conditions, resistant to pests and diseases and acceptable to consumers.

### अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा भाग लेना

*552. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट : क्या श्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत ने 7 जून, 1971 को जनेवा में 56वें अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन में

भाग लेने के लिये अपना प्रतिनिधि मंडल भेजा था ;

(ख) यदि हां, तो प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के नाम क्या हैं और किस आधार पर उनको चुना गया था ; और

(ग) सम्मेलन में किन-किन मुख्य प्रश्नों पर विचार-विमर्श हुआ ?

**श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री आर. के. खाडिलकर)** : (क) जी, हां । 56वां अन्तर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन जनेवा में 2 जून, 1971 को शुरू हुआ ।

(ख) सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के नाम सदन की मेज पर रखे गए विवरण मे दिए गए हैं । गैर-सरकारी प्रतिनिधियों और सलाहकारों का चयन अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के संविधान के अनुरूप किया गया ।

(ग) सम्मेलन अभी चल रहा है । सम्मेलन की कार्य सूची में निम्नलिखित मदें शामिल हैं :—

1. महानिदेक की रिपोर्ट ।
2. कार्यक्रम और बजट प्रस्ताव तथा अन्य वित्तीय प्रश्न ।
3. अभिसमयों और सिफारिशों की प्रयोग्यताओं के सम्बन्ध में सूचना और रिपोर्टें ।
4. विश्व रोजगार कार्यक्रम ।
5. उपक्रम में श्रमिक प्रतिनिधियों को दी गई सुविधाएं और संरक्षण ।
6. बेंजीन से उत्पन्न जोखिमों से संरक्षण ।

**विवरण**

**56वें अन्तर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के नाम**

**सम्मेलन में भाग लेने वाले मंत्री**

श्री आर. के. खाडिलकर,
केन्द्रीय श्रम और रोजगार मंत्री

**सरकारी दल**

**प्रतिनिधि**

1. श्री कल्याण राव पाटिल,
गृह और श्रम राज्य मंत्री,
महाराष्ट्र सरकार, बम्बई ।

2. श्री पी. एम. नायक,
सचिव, श्रम और रोजगार विभाग,
भारत सरकार ।

**एवजी प्रतिनिधि/सलाहकार**

1. श्री आर. आनंदाकृष्णा,
संयुक्त सचिव, श्रम और रोजगार विभाग, भारत सरकार ।

2. श्री एन. कृष्णन,
संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि ।

3. श्री पी. एम. एस. मलिक,
प्रथम सचिव,
संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, जेनेवा में भारत का स्थायी मिशन ।

**गैर-सरकारी नियोजक दल**

**प्रतिनिधि**

श्री एन. एस. भट,
प्रबन्धक निदेशक, बिन्नी लिमिटेड,
मद्रास ।

**सलाहकार**

1. श्री संतोष नाथ,
प्रबन्धक, दि स्टेटस्मैन, नई दिल्ली ।

2. श्री टी. रंगास्वामी,
सचिव, दक्षिण भारत मिल-मालिक संघ, कोयमबेटूर ।

3. श्री मदनमोहन घोष,
सचिव (विधि) बंगाल वाणिज्य और उद्योग मण्डल, कलकत्ता ।

4. श्री आई. पी. आनन्द,
महा-प्रबन्धक, करमचन्द थापर एण्ड ब्रदर्स, नई दिल्ली ।

**श्रमिक दल**

**प्रतिनिधि**

1. डा. (श्रीमती) मैत्रेयी बोस,
अध्यक्ष, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस,
नई दिल्ली ।

**सलाहकार**

1. श्री कांति मेहता,
महामंत्री इंडियन नेशनल माइन वर्कर्स फेडरेशन, कलकत्ता ।

2. श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित, संसद सदस्य,
महामंत्री, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस,
उत्तर प्रदेश शाखा,
लखनऊ ।

3. श्री सतीश लूम्बा,
मंत्री, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस, नई दिल्ली ।

4. श्री बसंत कुलकर्नी,
मंत्री, हिन्द मजदूर सभा,
बम्बई ।

**Visit of Ministerial Delegation of Mines to Russia**

*553. SHRI NIHAR LASKAR :
SHRI P. GANGADEB :

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether a Ministerial Delegation of Mines visited Russia to have a study on technology of metallurgy :

(b) if so, the outcome of the visit ; and

(c) whether any agreement has been arrived at between the two countries ?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI S. MOHAN KUMARAMANGALAM) : (a) On the invitation of the Government of U.S.S.R., Secretary (Mines) *along with technical officers visited mining* and metallurgical organisations of the U.S.S.R.

(b) This team's visits to several non-ferrous metal mines, smelters and planning organisations enabled them to learn first hand about the Soviet experience and achievements in these lines.

A few other problems relating to the supply of spares and equipments to some of our Public Sector Projects had also been sorted out as a result of the team's visit.